This question paper contains 4+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

7570

B.A. (Prog.)/I E-II

HINDI DISCIPLINE—Paper I

हिंदी अनुशासन-प्रश्नपत्र I

(हिंदी कविता, नाटक तथा हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास)

समय: 3 घण्टे पूर्णांक 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note :— The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the regular colleges (Category 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB/SOL at the time of posting of awards for compilation of result.

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों श्रेणी 'A' के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB/SOL के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

P.T.O.

1. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8+8

(क) चकई बिछुरी रैनि की, आइ मिली परभाति ।
जे जन बिछुरे राम सूँ, ते दिन मिले न राति ॥

× × × × × ×

बिरहा बिरहा जिनि कहौ, बिरहा है सुलतान ।
जिहिं घट बिरह न संचरै, सो घट सदा मसान ॥

(ख) पशु नहीं, वीर तुम,
समर-शूर, क्रूर नहीं,
कालचक्र में हो दबे,
आज तुम राजकुँवर,
समर सरताज !
मुक्त हो सदा ही तुम,
बाधा-विहीन-बंध छंद ज्यों,
डूबे आनंद में सच्चिदानंद-रूप ।

(ग) अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है;

न्यायार्थ अपने बंधु को भी दंड देना धर्म है ।

इस तत्त्व पर ही कौरवों से पाण्डवों का रण हुआ,

जो भव्य भारतवर्ष के कल्पांत का कारण हुआ ॥

सब लोग हिल मिलकर चलो, पारस्परिक ईर्ष्या तजो,

भारत न दुर्दिन देखता, मचता महाभारत न जो ॥

2. तुलसीदास **अथवा** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय लिखिए । 7

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6+6

(i) कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए ।

(*ii*) 'पुष्पवाटिका प्रसंग' का वर्णन कीजिए ।

(*iii*) 'भिक्षुक' कविता की मूल सम्वेदना रेखांकित कीजिए ।

(*iv*) बिहारी के दोहों का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

मैं कब कहता हूँ कि दूसरा अर्थ नहीं है ? अर्थ बहुत स्पष्ट है । वे यहाँ की हर वस्तु को विचित्र रूप में देखते हैं और उस वैचित्र्य को यहाँ से जाकर दूसरों को दिखाना चाहते हैं । तुम, मैं, यह घर, ये पर्वत, सब उनके लिए विचित्र के उदाहरण हैं । मैं तो उनकी सूक्ष्म और समर्थ दृष्टि की प्रशंसा करता हूँ जो जहाँ वैचित्र्य नहीं वहाँ भी वैचित्र्य देख लेती है । एक कलाकार को मैंने यहाँ की धूप में अपनी छाया की अनुकृति बनाते देखा है ।

अथवा

मैं ऐसे व्यक्ति को अच्छी तरह समझती हूँ । तुम्हारे साथ उसका इतना ही सम्बन्ध है कि तुम एक उपादान हो, जिसके आश्रय से वह अपने से प्रेम कर सकता है । अपने पर गर्व कर सकता है । परंतु तुम क्या सजीव व्यक्ति नहीं हो ? तुम्हारे प्रति उसका या तुम्हारा कोई कर्तव्य नहीं है ? कल तुम्हारी माँ का शरीर नहीं रहेगा और घर में एक समय के भोजन की भी व्यवस्था नहीं होगी, तो जो प्रश्न तुम्हारे सामने उपस्थित होगा, उसका तुम क्या उत्तर दोगी ? तुम्हारी भावना उस प्रश्न का समाधान कर देगी ?

5. कालिदास **अथवा** अम्बिका की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए । 12

6. (क) राम काव्यधारा **अथवा** द्विवेदी युग की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । 10

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 10

(*i*) सगुण भक्ति काव्य

(*ii*) छायावाद

(*iii*) प्रगतिवादी कविता ।